

प्रशिक्षण कैलेंडर Training Calendar

2023-24



केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, राँची-835 303, झारखण्ड

Central Tasar Research and Training Institute

Central Silk Board, Ministry of Textiles, Govt. of India, Ranchi-835 303, Jharkhand

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची

तसर उद्योग के विकास हेतु प्रतिबद्ध एक अग्रणी संस्थान

के.त.अ. व प्र.सं. – एक परिचय

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार अधीनस्थ केन्द्रीय रेशम बोर्ड की एक प्रमुख संस्थान है। तसर उद्योग को अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में सुदृढ़ आधार प्रदान करने के उद्देश्य से इसकी स्थापना 1964 में केन्द्रीय तसर अनुसंधान केन्द्र (के.त.अ.के.) के नाम से की गई। इसके पश्चात तसर उद्योग के सर्वांगीण विकास हेतु मानव संसाधन प्रशिक्षण घटक को समाहित करते हुए इसका नामकरण - केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान किया गया। संस्थान कुल 86.31 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जिसमें अनुसंधान व प्रशासनिक भवन एवं पौध-रोपण प्रक्षेत्र के साथ-साथ आवासीय क्वार्टर भी हैं। इसके अलावा संस्थान के नियंत्रणाधीन विभिन्न प्रदेशों में 6 क्षेत्रीय केन्द्र (क्षेत्र-उअके), 1 पी4 तसर प्रजनन केन्द्र एवं 3 अनुसंधान विस्तार केन्द्र (अविके), चाईबासा में 01 कच्चा माल बैंक के अपने नेटवर्क के साथ संस्थान अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले राज्यों को उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) एवं समशीतोष्ण (टैम्परेट) तसर संवर्धन के क्षेत्र के अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सम्बन्धी जानकारी प्रदान करता है।

संस्थान तसर उद्योग के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों को संचालित करता है जिसमें विशेषकर अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों का निर्माण, प्रक्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी का विकास एवं उनका हस्तांतरण, मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण तथा सामाजिक विकास कार्यक्रमों का निर्माण शामिल है। संस्थान द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत आणविक स्तर पर अनुसंधान सहित विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित की जाती हैं ताकि तसर रेशम कीटपालन की तकनीकी समस्याओं को सुलझाकर रेशम की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि की जा सके। संस्थान के अनुसंधान एवं विकास अनुभाग आधुनिक उपस्करों व संयंत्रों से सुसज्जित हैं तथा संस्थान में स्थापित पुस्तकालय में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की वैज्ञानिक पत्रिकाओं, पुस्तकों एवं तकनीकी प्रतिवेदनों का प्रचुर व विशाल संग्रह है। यद्यपि संस्थान को विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए निधि भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा उपलब्ध करायी जाती है, तथापि विशिष्ट अनुसंधान व विकास एवं मानव संसाधन आधारित परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की अन्य एजेंसियों जैसे जैव-प्रौद्योगिकी विभाग इत्यादि द्वारा भी राशि मुहैया करायी जाती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

मानव संसाधन किसी भी उद्योग के विकास के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है। तसर उद्योग की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु संस्थान का प्रशिक्षण प्रभाग केन्द्रीय रेशम बोर्ड एवं तसर उत्पादन करने वाले राज्यों के रेशम विभाग/निदेशालय व गैर-सरकारी संस्थाओं से सम्बद्ध वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं तकनीकी/प्रक्षेत्र कर्मचारियों, कृषकों, रेशम धागाकारों/बुनकरों तथा तसर उद्योग से जुड़े अन्य उद्यमियों व बेरोजगार युवकों के लिए प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम संचालित करता है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के अनुभवी एवं योग्य वैज्ञानिकों द्वारा संचालित किए जाते हैं। अधिकांश प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्रीय रेशम बोर्ड अथवा निधि मुहैया कराने वाली एजेंसियों के द्वारा प्रायोजित होते हैं। संस्थान में विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराती है।

संस्थान के प्रशिक्षण प्रभाग के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं :

- राँची विश्वविद्यालय द्वारा स्थायी सम्बद्धता प्राप्त कर पन्द्रह माह की अवधि का वन्य रेशम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं कई अल्पावधि प्रमाण-पत्र तथा तदर्थ पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर तसर संवर्धन में प्रशिक्षित मानव संसाधन सृजन करना।
- केवीके, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यकता आधारित औपचारिक एवं अनौपचारिक मानव संसाधन प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों की अधिकल्पना एवं कार्यान्वयन।
- किसानों एवं बेरोजगार युवकों को सफल उद्यमी बनाने के लिए सुलभ अभ्यास-जन्य व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- आवश्यकतानुसार भारत सरकार के अनुदेशानुसार रेशमात्पादन लाभार्थियों के लिए विभिन्न विषयों जैसे केवीके, स्टेप, जेम इत्यादि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों के स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी सहित तसर संवर्धन के विभिन्न पहलुओं में परियोजना कार्य/शोध प्रबंध करने के लिए संस्थान सुविधाएं भी प्रदान करता है।

Training Facilities: Training Division is equipped with modern audio-visual (interactive panels) and air conditioned class room facilities, supported with professionally competent scientists-cum-faculty. It has well-equipped Laboratories, Computer facility with LAN and Internet, rearing fields and grainages for practical training.

Hostel Facility: CTRTI has well furnished hostel facility for trainees. The hostels have facilities for indoor and outdoor games and other recreations. Several other amenities like medical services, transport, communication, etc. are also available for the welfare of the trainees and students. There is separate wing of hostel rooms for boys and girls. Separate accommodation is also available for the farmer trainees. Also, facilities at Jharkhand Agriculture & Soil Management Institute (JASMIN, Govt. of Jharkhand) at Piska Nagri, Ranchi are utilized for lodging of farmers, as per need from time to time. The Training Division of the Institute conducts different Training Courses, as detailed below.

i. STRUCTURED COURSE

Course		Schedule & Duration	Intake/ Batch	Course Content
Post Graduate Diploma in Sericulture (Vanya Silk) [Affiliated to Ranchi University, Ranchi]	1	July, 2023 to September, 2024 (15 months including 3 months intensive field training)	20	Vanya Host Plant Morphology, Improvement, Cultivation & Protection; Silkworm Morphology, Physiology, Pathology, Breeding & Genetics, Rearing; Seed Production & Protection; Post-Cocoon Technology; Extension, Economics, Statistics, Soil Science, Sericulture Management & Computer application.

COURSE FEE

Status of Candidate	Category	Course fee (Rs.)		Study tour (Candidates only) (Rs.)	Total (Rs.)
		Sponsored* candidate	Open candidate		
Sponsored	SC/ST	5000	5000	5000	15000
	General	7500	7500	5000	20000
Open	SC/ST	0	10000	5000	15000
	General	0	15000	5000	20000

*In case of sponsored candidates, the sponsoring agency will have to remit the entire course fee (50% from candidate + 50% Sponsored amount) directly to the concerned training institute at the time of admission. However, in the event of non-remittance of course fee by sponsoring agency, the same will have to be paid by the concerned candidate.

Essential Qualification: The candidate should possess Graduate degree from recognized Indian university in biological sciences or Graduate degree in any discipline with basic knowledge of sericulture/silk and a reasonable understanding of the basic biological concepts and principle.

Short-listing of candidates: Candidates (Open/ Sponsored) fulfilling the essential qualification (Graduate degree in biological sciences) is eligible for admission directly based on available vacancy. Whereas, the candidates possessing degree other than biological science will have to qualify the screening test conducted

by the institute.

Age: The applicants should be in the age group of 21-40 years as on 1st July. However, there is no age limit for in-service candidates working in Department of Sericulture of various States.

Medium of instruction: English

Accommodation: Accommodation will be provided in the hostel against payment of a nominal charge of Rs.50/- per person/day (twin sharing) and food expenses (actual basis) will be shared equally by all the students.

II. FARMER SKILL TRAININGS

Sl. No.	Course	Schedule & Duration	Intake/ Batch	Participants	Course Content
1.	Farmers Skill Training (FST)	June 2023 to Dec 2023 [5 days]	25	Farmers, unemployed youths and rural women from different Taras producing states	Host Plant Maintenance, Silkworm Seed Production & Rearing Technology

Sl. No.	Course	Schedule & Duration	Intake/ Batch	Participants	Course Content
2.	Sericulture Resource Center (SRC)	June 2023 to Dec 2023 (1 day)	15-20	Stakeholders in the cluster	'Village Forum' led by an elite / experienced farmer in a sericulture cluster for staging technology demonstrations/ discussions. Each SRC should conduct at least 10 batches per year
3.	Exposure visit for technology awareness	June 2023 to Dec 2023 (5 days)	20	Visit to institute/ field with best practices	Lead/progressive farmers along with an escort (one for group of 20 farmers)
4.	Technology Orientation Programme	July 2023 & October 2023 (5 days)	25	NGOs, DoS/ CSB Staff/ Industry	Technology based training

** CSB Sponsored*

- 650 farmers in 26 batches to be conducted at RSRS Dumka, Bhandara, Warrangal, Jagdalpur, Bhimtal & Baripada; REC Champa, Palampur & Kapistha and P4-Chakradharpur
- 180 farmers in 09 batches to be conducted at RSRS Dumka, Bhandara, Warrangal, Jagdalpur, Bhimtal & Baripada; REC Champa & Kapistha and P4-Chakradharpur
- 450 farmers in 30 batches to be conducted at SRC Deoghar, Bhagamunda, Kuchai
- 100 officers/ officials of NGOs, DoS/ CSB Staff/ Industry in 4 batches to be conducted at CTRTI, Ranchi

III. NEED BASED COURSE / PROGRAMME

Sl. No.	Course	Schedule & Duration	Intake/ Batch	Participants	Course Content
1.	Competency Enhancement Training Programme (CETP)	June 2023 to February 2024 (3 days)	25	Incharge Scientist and/ or Technical staff of nested units	GeM/ Administration/ Store purchase, TSA, PFMS etc.
2.	Refresher training on recent technological advancement in sericulture and extension approaches under CEPT programme	June 2023 to February 2024 (3 days)	25	STA/ FAs of CTRTI & BTSSO and its nested units	Technological advancement based training in tasar sericulture
3.	Hands-on training programme on Statistics for Scientists	June 2023 to February 2024 (3 days)	27	CSB Scientists	Hands-on training programme on Statistics to Scientists

** CSB Sponsored*

IV. NON-CBT: NEED BASED TRAINING COURSES / PROGRAMMES FUNDED BY AGENCIES OTHER THAN CSB

Sl. No.	Training Component	Schedule & Duration	Intake/ Batch	Fee Structure/ Student (Rs.)	Remarks
1.	Need based training programmes for farmers/ officials/ students*	April 2023 to March 2024 (3-5 days)	20	250	DoS sponsored farmers/ officials/students training programme on different aspects of tasar technology
2.	Dissertation/ Project Work on Biotechnology/ Microbiology/ Post Cocoon Technology	Up to 3 Months/ student	-	5000	Students from different colleges/universities for training in Biotechnology/ Microbiology/PCT (on request)
		Group projects up to three months/group of 2-5 students	-	10000	
		More than 3 months, up to 6 months/student	-	8000	
		Group projects more than 3 months, up to six months/ group of 2-5 students	-	15000	
		More than 6 months	-	15000	

*Faculty and Coordination charges applicable for specific trainings.

HOSTEL LODGING CHARGES

Sl. No.	Particulars / Category	Rate/ Day (in Rs.)	
		A/C Room	Non A/C Room
1	Training / Study Tour (For Students & Farmers *)	-	50
2	Stakeholders from Industry	-	100
3	CSB Officers / Officials & Board Members	100	50
4	DOS / MoT - Officers & Staff	200	100
5	Other Central Govt. Officers / Officials	300	150
6	Other State Govt. Officers / Officials	400	200
7	Overseas / MEA sponsored	400	-

- Note:**
1. Subject to availability
 2. * In a room more than 2 to 3 farmers are allowed
 3. For private visits the lodging charges will be 2 times the above rates
 4. No persons on private visit shall be allowed to stay beyond 5 days



CTRTI

A flagship Institution committed for the development of Tasar Industry.....

About CTR&TI

Central Tasar Research and Training Institute (CTRTI) is one of the premier Institutes of Central Silk Board, Ministry of Textiles, Govt. of India. It was established in 1964 as Central Tasar Research Station (CTRS) with a prime objective of providing R&D support to Tasar Silk Industry. Later, to fulfill the requirement of Human Resource Development & Training for progress of Tasar industry, the training component was added to CTRS, giving its present name - CTRTI. The Institute is having its Research and Administrative building, tasar host plantation as well as residential quarters spread over in an area of 86.31 acres of land. Besides, with its network of Six Regional stations (RSRS), one P4-TBS and three Research Extension Centres (REC), one Raw Material Bank at Chaibasa, the Institute provides the state-of-the-art technological know-how to the command states, both under tropical and temperate tasar sector.

For the overall growth of Tasar Silk Industry, CTRTI is primarily engaged in formulation of R&D programmes, development of improved technologies & their transfer to the field, human resource development & training and formulation of societal development programmes. The Institute undertakes all sorts of R&D programmes, including molecular level to unearth the intricacies of tasar silkworm for breaking the barrier of productivity and quality. It has well equipped R&D sections with a wide range of modern equipments and a Library having good collection of scientific journals of international repute, books and technical reports. Though the Institute performs all its activities on the funds made available from Ministry of Textiles - Govt. of India, it also receives funds from other Govt. agencies like Department of Biotechnology (DBT), Govt. of India, New Delhi etc. for implementation of specific R&D and HRD based projects.

Training Programmes

Human resource is one of the most critical components for the growth of an industry. To meet the growing needs and expectations of tasar silk industry, Training Division of CTRTI runs various Human Resource Development & Training programmes for the Scientists, Officers and technical/field staff of Central Silk Board (CSB),

Department/Directorate of Sericulture (DOS) and NGOs from different tasar silk producing States; and also farmers, silk reelers/spinners, unemployed youths and other stakeholders of tasar silk industry. These programmes are conducted by highly experienced and qualified scientists of CTRTI. Most of the training programmes are fully sponsored by the CSB/ funding agencies. The institute provides hostel facilities for students and trainees. Training Division of Institute has the following prime objectives:

- To generate human resource by imparting training through fifteen month duration "Post-Graduate Diploma in Vanya Silk" course which is affiliated to Ranchi University, Ranchi and many short-term Certificate & Adhoc courses in Tasar Sericulture.
- To design and implement the need-based formal and informal human resource training and development programmes to KVKs, Scientists, Officers/officials of different institutions etc.
- To provide hands-on-practice training to farmers and unemployed youths for helping them to become successful entrepreneurs.
- Time to time, as per instructions of Govt. of India, hands on training on different subjects like KVK, STEP, GeM, etc. are imparted to the sericulture beneficiaries.
- The Institute also provides facilities to undergraduates / post graduate students from different Institutions / Universities to carry out project works / dissertations in different aspects of tasar culture, including biotechnology.



केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, राँची-835 303, झारखण्ड

Central Tasar Research and Training Institute

Central Silk Board, Ministry of Textiles, Govt. of India, Ranchi-835 303, Jharkhand

Phone : 0651-2960116

E-mail : ctrtiran.csb@nic.in / ctrticsb@gmail.com, Website : www.ctrtri.res.in

Compilation:

Dr. Vishal Mittal

Scientist-D, CTRTI, Ranchi

Dr. Jagadajyoti Binkadakatti

Scientist-C, CTRTI, Ranchi

Edited by:

Dr. K. Sathyanarayana, Director

Central Tasar Research and Training Institute

Central Silk Board, Ministry of Textiles,

Piska-Nagri, Ranchi - 835 303, Jharkhand, India